JANUARY TO MARCH 2015-16

इंदिरा किसान मितान (जनवरी,फरवरी, मार्च)2016

आगामी तीन माह की प्रस्तावित गतिविधियाँ

पक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (ह.)	लाभार्थी
1.	प्याज	भीमा शक्ति	प्याज की उनत किस्म का आकलन	0.4	04
2.	चना,गेहूँ प्याज	जे.जी14,रतन, भीमा शक्ति	सुनिश्चित सिचाई अंतर्गत सोयाबीन आधारित फसल पद्धति का आकलन	2.4	04
3.	गेहूँ	रतन	सेल्फ प्रोपेल्ड वरटीकल कनवेयर रीपर द्वारा गेहँ की कटाई का आकलन	1.0	05
4.	मछली	कतला,रोह,मृगल	मछली उत्पादन का आकलन	0.8	09
5.	चना	जे.जी14	चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंधन का आकलन	0.8	04
6.	धान एवं गन्ना	ट्राईकोडमां विरडी	धान एवं गन्ना के उप उत्पादों का ट्राईकोडमां द्वारा विधटन का आकलन	-	04
7.	चना	जे.जी14	चने में कालर राट के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडमाँ के प्रभाव आकलन	-	04
8.	मुर्गी	कडकनाथ	बैक्यार्ड पद्धति से मुर्गी पालन का आकलन	50 नग	04
9.	बटेर	कुटुरनिक्स कुटुर निक्स जपोनिका	वैक्यार्ड पद्धति से बटेर पालन का आकलन	100 नग	04
योग				5.4	42

प्रक्षेत्र परीक्षण (आत्मा योजना अंतर्गत)

अग्रिम पंक्ति पदर्शन

死.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (है)	लाभार्थी
1.	गन्ना	सी.ओ95012	गन्ने में अंतरवर्तीय फसल का आकलन	0.4	04
योग				0.4	04

समूह फसल प्रदर्शन

死.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (ह.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी226	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	40	100
2.	अलसी	दीपिका,कार्तिका	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
3.	मसुर	हल - 57	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	15	37
4.	सरसो	छत्तीसगढ़ सरसो	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	14	35
5.	तोरिया	उत्तरा	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	16	40
योग				95	237

अग्रिम पंदित पुदर्शन (आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत)

鋉.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	वंभव	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	28	70
योग				28	70

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	20	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	80	80
प्रक्षेत्र दिवस	03	300
पशु स्वास्थ्य शिविर	01	100
योग	107	740

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

죸.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (t.)	लाभार्थ
1.	अरबी	इंदिरा अरबी 1	उन्तत किस्म का प्रदर्शन	0.4	04
2.	चना	जे.जी14	उन्तत किस्म का प्रदर्शन	05	12
3.	गेहूँ	रतन	सीड कम फटीलाइजर द्वारा गेहूँ की बुवाई का प्रदर्शन	05	12
4.	मछली	कतला,रोह,मृगल	मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	10
5.	मछली	कतला,रोहू,मृगल खाकी कैम्बल	मछली सह बत्तख पालन का प्रदर्शन	1.0	12
6.	गना	सी.ओ86032	लाल सड़न रोग के रोकथाम हेनु रासायनिक दवाओं के प्रभाव का प्रदर्शन	05	12
7.	गाय	नीम एवं करंज तेल	नीम एवं करंज तेल का बाह्य परजीवी नाशक के रूप के प्रभाव का प्रदर्शन	12 पशु	12
8.	अजोला	अजोला पिन्नाटा	अजोला उत्पादन एवं पशु आहार के रूप में उपयोग का प्रदर्शन	12 पशु	12
9.	मशरूम	आयस्टर मशरूम	आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन	50 वैग	05
10.	गेहुँ	रतन	उनत किस्म का प्रदर्शन	05	12
योग				27.4	116

कषकों एवं कषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पौध संरक्षण	4	1	88
3.	उद्यानिकी	4	1	87
4.	मृदा विज्ञान	4	1	86
5.	पशुपालन	4	1	84
6.	मत्स्यकी	4	1	83
7.	कृषि अभियाँत्रिकी	4	1	82
योग		28	7	600

बीजोत्पादन कार्यक्रम 2016-17

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (है)
1.	चना	जे.जी14	आधार	4.0
2.	चना	जे.जी226	आधार	3.4
3.	गेहूँ	रतन	प्रमाणित	2.0
योग				9.4

	बुक-पोस्ट
कार्यक्रम समन्वयक	भारत शासन सेवार
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)	प्रति, श्री/श्रीमती/डॉ
पिन-४९१९९५ फोन/फैक्स ०७७४१-२९९१२४	
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in	



इंदिरा किसान मितान इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक-24

त्रमासिक प्रतिका जनवरी फरवरी मार्च 2016

समृद्ध किसान

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकर निदेशक विस्तार सेवाएँ, इं.गां.क.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा आंच. परियोजना निदेशक जोन-७ (भा.क्.अनु.परि.) जबलपुर

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :

डॉ. बी.पी.त्रिपाठी प्रभारी कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : डॉ. नतन रामटेके पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन

सह संपादक :

इं.टी.एस.सोनवानी श्रीमती प्रमिला कांत श्री बी.एस.परिहार सस्य विज्ञान क्.मनीषा खापर्डे श्री वार्ड.के. कौशिक कार्यक्रम सहायक श्रीमती स्वाती शर्मा कार्यक्रम सहायक



कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन



कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा प्रक्षेत्र नेवारी में दिनांक 09.10. 2015 南1 सोयाबीन, अरहर पर प्रक्षेत्र दिवस

का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्रः में सोयाबीन अरहर, धान की उन्नत प्रजाति का आधुनिक तकनीक द्वारा बीजोत्पादन कार्यक्रम किया जा रहा है। प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश सोयाबीन, अरहर की उन्नत प्रजाति और आधुनिक तकनीक का उपयोग किसानों तक पहुंचाना है।

पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं पश् पालन विभाग जिला कबीरधाम के तत्वाधान में

दिनांक 02.11.





2015 को ग्राम - नेवारी विकासखण्ड - कवर्धा में नि:शुल्क पशु स्वास्थ्य शिविरका आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को पशु स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता प्रदान करना एवं पशुओं मे होने वाले बीमारियों एवं उनके बचाव के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

कृषि विज्ञान केन्द्र में ग्रामीण युवाओं को दिया गया प्रशिक्षण





कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 04 नवम्बर 2015

को किया गया जिसमें जिलें के 40 ग्रामीण युवाओं को जैव फफंद नाशक, राइजोबियम एवं स्यूडोमोनास उत्पादन विधि पर तकनीकी एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण डॉ. आर. के. एस. तिवारी के द्वारा दिया गया।

कृषि को उन्नत जानकारी हेतु संपर्क करें, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्या, जिला - कबीरयाम (ए.ग.)फोन नं. ०७७४। - २९९१२४ एवं किसान कॉल सेन्टर,

JANUARY TO MARCH 2015-16

इंदिरा किसान मितान (जनवरी,फरवरी, मार्च)2016

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

विश्व मदा दिवस - सह कृषक सम्मेलन का आयोजन

कषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा व कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मुदा दिवस सह-कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में जिले के 400 क्षकों की भागीदारी रही कार्यकम का प्रमुख्य उद्देश्य मुदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण और कृषकों को मुदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस कार्यक्रम के तहत कबीरधाम जिले के 1400 कृषकों को मुदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण किया गया।



BUTTONING AND DOWN	man rawy
New que final per pain monte	
100	No.
A SHEET A	Landa Cal
	4

कषकों एवं कषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

死。	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पाँध संरक्षण	4	1	88
3.	उद्यानिकी	4	:1:	87
4.	मृदा विज्ञान	4	1	86
5.	पशुपालन	4	1	84
6.	मत्स्यकी	4	1	83
7.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग	***************************************	28	7	600

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभाधी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	20	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	80	80
प्रक्षेत्र दिवस	03	300
पशु स्वास्थ्य शिविर	01	100
योग	107	740

बीजोत्पादन कार्यक्रम

क्र	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (हे.
1.	चना	जे.जी14	आधार	4.0
2.	चना	जे.जी226	आधार	3.4
3.	गेहूँ	रतन	प्रमाणित	2.0
योग				9.4

东.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (है)	लाभार्थी
1.	प्याज	भीमा शक्ति	प्याज की उनत किस्म का आकलन	0.4	04
2.	चना,गेहूँ प्याज	जे.जी14,रतन, भीमा शक्ति	सुनिश्चित सिचाई अंतर्गत सोयाबीन आधार फसल पद्धति का आकलन	2.4	04
3.	गेहूँ	रतन	सेल्फ प्रोपेल्ड वरटीकल कनवेयर रीपर द्वारा गेहँ की कटाई का आकलन	1.0	05
4.	मछली	कतला,रोह,मृगल	मछली उत्पादन का आकलन	0.8	09
5.	चना	जे.जी14	चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रवंधन का आकलन	0.8	04
6.	धान एवं गन्ना	द्राईकोडमां विरडी	धान एवं गन्ता के उप उत्पादों का ट्राईकोडमीं द्वारा विघटन का आकलन	-	04
7.	चना	जे.जी14	चने में कालर राट के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडमीं के प्रभाव आकलन	-	04
8.	मुर्गी	कडकनाथ	बैक्यार्ड पद्धति से मुर्गी पालन का आकलन	50 नग	04
9.	बटेर	कुटुरनिक्स कुटुर निक्स जपोनिका	बैक्यार्ड पद्धति से बटेर पालन का आकलन	100 नग	04
योग	e.			5.4	42

अग्रिम पंक्ति पदर्शन

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (हे.)	लाभार्थी
1.	अरबी	इंदिरा अरबी 1	उन्तत किस्म का प्रदर्शन	0.4	04
2.	चना	जे.जी14	उन्तत किस्म का प्रदर्शन	05	12
3.	गेहूँ	रतन	सीड कम फर्टीलाइजर द्वारा गेहूँ की ब्वार्ड का प्रदर्शन	05	12
4.	मछली	कतला,रोह्,मृगल	मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	10
5.	मछली	कतला,रोहू,मृगल खाकी कैम्बल	मछली सह बत्तख पालन का प्रदर्शन	1.0	12
6.	गन्ना	सी.ओ86032	लाल सड़न रोग के रोकधाम हेतु रासायनिक दवाओं के प्रभाव का प्रदर्शन	05	12
7.	गाय	नीम एवं करंज तेल	नीम एवं करंज तेल का बाह्य परजीवी नाशक के रूप के प्रभाव का प्रदर्शन	12 पशु	12
8.	अजोला	अजोला पिनाटा	अजोला उत्पादन एवं पशु आहार के रूप में उपयोग का प्रदर्शन	12 पशु	12
9.	मशरूम	आयस्टर मशरूम	आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन	50 बैंग	05
10	गेहुँ	रतन	उन्तत किस्म का प्रदर्शन	05	12
योग				27.4	116

अग्रिम पंक्ति पदर्शन (आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत)

东.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (हे)	लाभार्थी
1.	चना	वैभव	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	28	70
2.	अरहर	LRG-41	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	05	12
योग				33	82

समृह फसल प्रदर्शन

东.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकवा (ह.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी226	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	40	100
2.	अलसी	दीपिका,कार्तिका	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
3.	मस्र	हल - 57	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	15	37
4.	सरसो	छत्तीसगढ़ सरसो	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	14	35
5.	तोरिया	उत्तरा	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	16	40
योग				95	237

सम सामियक सलाह -2016

फसलोत्पादन एवं पौधा संरक्षण

- समय से बोये गेहूँ में 20-25 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें, किरीट जड़ अवस्था में नत्रजन डालें, एक माह बाद नींदा नियंत्रण करें।
- 🕯 गन्ने की बुआई का कार्य पुर्ण करें।
- 💠 गन्ने की बुआई के समय बीजोपचार (टेबुकोनाजोल 0.01 प्रतिशत) को हिसाब से करें।
- े चने में हल्की सिंचाई करें।
- 🕯 चने में इल्ली नियंत्रण हेतु ट्राइजाफास 350 मि.ली. प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।
- चना, मटर, मसुर, सरसों, अलसी में फुल आने के पुर्व सिंचाई करें, कट्आ इल्ली के प्रकोप से रक्षा करें एवं असिंचित अवस्था में 2 प्रतिशत यूरिया घोल कीटनाणक के साथा ही छिड़काव करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल बढवार पर होती है अतः सिंचाई करना आवश्यक है।
- शीतकालीन गन्ने में नत्रजनयुक्त उर्वरक (यूरिया) का एक चौथाई भाग दें, पकी हुई फसल की कटाई कर कारलाना अथवा आजार भिजवाने की व्यवस्था करें, गृड़ बनाने का कार्य करें।
- प्याज की फसल में नत्रजन की शेषा आधी मात्रा देकर सिंचाई करें।
- •प्याज में बैंगनी धब्बा रोग से बचाव के लिए ब्लाईटाक्स-50 या डायथेन एम-45 नामक दवा का छिडकाव रोगर कीटनाशक दवा के साथ करें।
- · मिर्च में फल गलन के नियंत्रण हेत् ब्लाईटाक्स 50 का
- टमाटर की फसल में अच्छी फलत के लिए लकडी लगाकर सहारा दें।
- 🕯 आम के वृक्ष में चेपा कीट की रोकथाम के लिए ग्रीस का लेप मुख्य तनों पर जमीन से 1 मीटर की ऊँचाई
- सब्जी फसलों में चुर्णी फंफूदी रोग से बचाव के लिए 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन घोल का छिडकाव 15 दिन के अंतराल से दो बार करें।
- 🜣 कद्ववर्गीय सब्जियों को लगाने हेतु बीज को प्लास्टिक की थैली में लगाकर पॉलीहाऊस में रहों जिससे अंक्रण शीघ्र होगा।
- जनवरी माह में टमाटर के पौधों को रोपने से अप्रैल माह में फल मिलना शुरुहो जाता है जबकि इस समय बाजार में टमाटर की आवक कम रहती है जिससे बाजार मुल्य अधिक मिलेगा।

- पशुओं को पेट के की डो की दवाई नियमित दें। दुधार पशु के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशुओं का बिछावन समय-समय पर बदलवाते रहें। अधिक बरसीम शिलाने से पशु को अफरा हो सकता है, अफरा होने पर 500 ग्राम सरसों के तेल में 60 ग्राम तारपीन का तेल मिला कर दें।
- पशु के सम्पूर्ण विकास के लिए लानिज मिश्रण 50-60

फसलोत्पादन एवं पौधा संरक्षण

- ♦गन्ने की बुवाई उपरांत गुडाई के समय कारटाफ ♦ चना, अलसी, तिवडा, मटर, राजमा, मसुर एवं हाइड्रोक्लोर 4 जी 7 कि.ग्रा. प्रति एकड की दर से नालियों में छिड़काव करें।
- 💠 गन्ने में लारपतवार नियंत्रण हेतु लारपतवारनाशी 😻 चना कटाई उपरांत उचित भण्डारण करें। ऐट्राजीन का छिड़काव करें।
- ्रेबासंतकालीन गन्ने की उन्नत किस्म का चुनाव कर बीजोपचार कर लें, होतों में नाली बनाकर हााद एवं उर्वरक डालें, गन्ने के दो से तीन आंशों वाले ट्कडे
- मूंग, मक्का, उड़द, सूर्यमुखी, मूंगफली, तिल, लोबिया एवं चारा फसलों की बुआई करें।
- ♦गेहॅ एवं अन्य रबी फसलों में आवष्यकतानुसार सिंचाई करें, असिंचित अवस्था में 2-3 प्रतिषात युरिया घोल का छिड़काव करें।
- वरसीम, जई, लुसर्न, मक्का आदि चारा फसलों में सिंचाई व अवस्थानुसार कटाई करें।
- जनवरी में बोई गई फसलों में सिंचाई व गुड़ाई करते
- ितवडा, मटर, चना की कटाई करें।
- ♦फलदार वृक्षों जैसे आम, आंवला, चीकू, कटहल आदि में फुल एवं फल आते समय सिंचाई बंद रहों।
- नये लगाये गये आम, अमस्त, आंवला, कटहल, चीकू, नींबु आदि पौधों में सिंचाई करें।
- आम का फुदका कीट एवं चूर्णी फफुंदी से बचाव के लिए कार्बोरिल डस्ट 2 ग्राम और सल्फेक्स 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव
- ♦फरवरी माह में केला एवं पपीता लगाने की तैयारी करें, गोभीवर्गीय फसल में 750 मि.ली. मिथाइल डेमेटान 25 ई.सी. दवा छिडके।
- ♦आलू की फसल खुदाई के पहले सिंचाई बंद कर देवें और जमीन से ऊपर पौधे की कटाई कर दें, इससे आलु के कंद पुष्ट होगें।
- अदरक, हल्दी एवं कंद चर्गीय फसलों की खुदाई करें। कद्ववर्गीय फसलों की बोआई एवं पहले से तैयार पौधाों की रोपाई करें, भिण्डी की बोआई करें, धानिया एवं

सौंफ की फसल में चुर्णी फफंद से बचाव हेत 0.2

- प्रतिशत सल्फेक्स का छिड़काव करें। ♦इस माह भिण्डी, मिर्च तथा शीरे की बुआई करें।
- केला पपीता लगाने की तैयारी करें।

पशपालन

- समय पर गाभिन करवायें।
- ❖ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रहाते हुए अन्य पशुओं से अलग रहों।
- ♦नवजात बछडे बछडियों को अन्य परजीवी नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित
- 💠 दुधारु पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए दूधा 💠 पशुओं को संक्रामक रोगों के रोगरोधी टीके पुरा व मुठ्ठी बांधा (फुल मिल्डिंग) कर निकालें।
- ♦बरसीम व राई फसल की सही अवस्था पर चारे के लिये कटाई करते रहें।

फसलोत्पादन एवं पौधा संरक्षण

क्या करं.....? कब करं.....? क्यों करं.....?

- सरसों इत्यादि फसलों की कटाई कर ग्रीष्म कालीन फसलों हेत होत की तैयारी करें।
- गन्ने की बुआई बीजोपचार के बाद करें।
- 💠 गन्ने की शरद कालीन फसल में हल्की मिटट्री चढायें तथा सिंचाई करते रहें अग्र तना छेदक कीट प्रकोप से फसल बचाने हेतु फोरेट 10 जी, या कार्बोयुरान 3 जी दानेदार दवा का प्रयोग करें।
- गन्ने की बोआई मासांत तक सम्पन्न करें, बोने के 7-10 दिन बाद बैल चलित हो द्वारा गुडाई करने से अंक्रण अच्छा होता है।
- गन्ने की पेड़ी फसल में उर्वरक व सिंचाई दें, तथा कीट प्रकोप होने पर कीट नाशक का प्रयोग करें। देर से बोये गये गेहूँ में अंतिम सिंचाई दुग्धावस्था पर
- ग्रीष्म कालीन फसलों में गुड़ाई व सिंचाई 10-15 दिन के अंतर से करें।
- 💠 चारे की फसलों की बुवाई करें।

- 💠 आम, चीकू में फल विकसित होने का समय है अत इन वृक्षों में 8-10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।
- कहवर्गीय सिंब्जियों को कीडो से बचाव हेतु विषा प्रपंच का प्रयोग करें या कार्बोरिल डस्ट का भूरकाव करें।
- टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिण्डी आदि फसलों में निदाई-गुडाई कर सिंचाई करें।
- प्याज की तैयारी फसल की खुदाई से 10-15 दिन पहले पानी देना बंद कर दें एवं पत्तियों को जमीन की सतह से झका दें।
- प्रारंभ में गेंदा के तैयार पौधा की छोत में रोपाई करें. ग्लैडियोलाई कंद की खुदाई कर ठंडे स्थानों पर भंडारण करें।
- नर्सरी में तैयार मेंथा पौधा की रोपाई करें,बच के प्रकंदो की ख़दाई करें तथा ध्रुप में सुखायें।
- पत्तियां पीली पड़ने पर कंदो की शृदाई करें तथा धृप
- नीबु बर्गीय फलो को गिरने से बचाने के लिए 2,4 डी 10 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव फलो की आरंभिक अवस्था में करें।
- पपीते की नई फसल लगाने का प्रबंधा करें।

- 💠 गाय व भैंस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से 💠 ब्याने वाले पशुओं को प्रसृति बुलार से बचाने के लिए शानिज मिश्रग 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
 - पश ब्याने के 1-2 घंटे के अंदर नवजात बडछड़े -बछडियों को लीस अवश्य पिलायें।
 - 🌣 नवजात बछड़े- बछडियों को 10-15 दिन की आय पर सींगरहित करवायें।
 - समय-समय पर अवश्य लगवाएं।
 - हारीफ में हरा चारा लेने के लिए ज्वार एवं मक्का की बिजाई करें।